



संविधान सदन में स्कूली बच्चों से बातचीत, राजघाट और गांधी स्मृति पर नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

▶▶ **गांधी जयंती पर मोदी, राहुल और प्रियंका ने बच्चों से की मुलाकात**

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: महात्मा गांधी की 157वीं जयंती पर शुक्रवार को संविधान सदन में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, राहुल गांधी और

प्रियंका गांधी ने स्कूली बच्चों से मुलाकात की। कार्यक्रम में स्कूली बच्चों को भी आमंत्रित किया गया था। प्रधानमंत्री मोदी बच्चों के एक समूह के पास पहुंचे और उनके कंधे पर हाथ रखकर बातचीत की तथा उनका हालचाल जाना। राहुल गांधी एक बच्ची के साथ बैठे और उसे अपने मोबाइल में कुछ



दिखाया। इस दौरान दोनों हंसते हुए नजर आए। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी सहित विभिन्न नेताओं ने नई दिल्ली स्थित राजघाट पहुंचकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला,

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर सहित अन्य नेताओं ने भी राजघाट पर बापू को नमन किया। शाम को गांधी स्मृति में सर्वधर्म प्रार्थना सभा आयोजित की गई। प्रधानमंत्री मोदी ने यहां पहुंचकर पुष्पांजलि अर्पित की। प्रार्थना सभा में स्कूली बच्चे भी शामिल हुए।

बच्चों और कलाकारों ने भजन प्रस्तुत किए। महात्मा गांधी के साथ शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की भी 122वीं जयंती मनाई गई। शास्त्री का जन्म 2 अक्टूबर 1904 को उत्तर प्रदेश के मुगलसराय में हुआ था। गांधी जयंती के अवसर पर केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन

रेड्डी ने 2 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक 30 दिवसीय राष्ट्रव्यापी स्वच्छता अभियान चलाने का आह्वान किया। उन्होंने नागरिकों, सरकारी और निजी संस्थानों, शैक्षणिक संस्थानों, गैर-सरकारी संगठनों तथा अन्य संगठनों से अभियान में भाग लेने की अपील की।

मोदी अच्छे दोस्त, फिर भी यूक्रेन युद्ध खत्म करने की बात करते हैं: पुतिन

रूसी राष्ट्रपति ने कहा- मोदी के पास युद्ध समाप्त करने के अच्छे सुझाव, हर मुलाकात में उठाते हैं मुद्दा

मॉस्को, एजेंसी : रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी यूक्रेन युद्ध समाप्त करने और शांति का रास्ता निकालने की बात लगातार उठाते हैं। मॉस्को में व्लाई फोरम को संबोधित करते हुए पुतिन ने कहा कि मोदी उनके अच्छे और मित्रवत संबंधों के बावजूद हर मुलाकात में यूक्रेन संघर्ष खत्म करने का मुद्दा उठाते हैं। उन्होंने कहा कि मोदी की इसमें गहरी रुचि है और उनके पास पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान खोजने के अच्छे सुझाव हैं। पुतिन ने कहा कि पिछले महीने नई दिल्ली में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले भी



उनकी मोदी से बातचीत हुई थी। इस दौरान उन्होंने भारतीय प्रधानमंत्री को यूक्रेन युद्ध की स्थिति और शांति प्रयासों की जानकारी दी थी। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव भी पहले कह चुके हैं कि रूस यूक्रेन संघर्ष के समाधान के लिए भारत के प्रयासों का स्वागत करेगा। पुतिन ने भारत की संस्कृति, विविधता और एकता की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि अलग-अलग भाषाओं और समुदायों के बावजूद भारत में लोगों का साथ रह दुनिया के लिए उदाहरण हो सकता है। व्लाई फोरम में पुतिन ने कलिननिग्राद को लेकर पश्चिमी

देशों और नाटो की भी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि रूस किसी यूरोपीय देश पर हमला करने की योजना नहीं बना रहा, लेकिन यदि रूस के किसी क्षेत्र पर सीधा हमला होता है तो वह अपनी सुरक्षा के लिए अपने सभी उपलब्ध हथियारों का इस्तेमाल कर सकता है। इसमें परमाणु हथियार भी शामिल हैं। पुतिन ने कहा कि रूस कलिननिग्राद की सुरक्षा को लेकर किसी भी खतरे का जवाब देगा। उन्होंने बढ़ते तनाव और जवाबी कार्रवाई के चक्र को खतरनाक बताते हुए दुनिया को विनाशकारी स्थिति से बचने की आवश्यकता पर जोर दिया।

फ्लाईडुबई के को-पायलट का ईरान से संबंध हुआ तो होगी कड़ी कार्रवाई: ट्रंप

▶▶ **भारतीय पायलट पर हमले के आरोपी को सऊदी अरब ने यूएई को सौंपा, पांच देशों की एजेंसियां जांच में जुटीं**

यरुशलम, एजेंसी: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि इजराइल जा रहे फ्लाईडुबई विमान के को-पायलट का ईरान से संबंध हो सकता है। उन्होंने कहा कि यदि जांच में हमले के पीछे ईरान की भूमिका सामने आती है तो तेहरान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस मामले में भारतीय पायलट पर हमले के आरोपी को-पायलट को सऊदी अरब ने संयुक्त अरब अमीरात को सौंप दिया है। मामले की जांच में इजराइल, यूएई, अमेरिका, ओमान और सऊदी अरब की एजेंसियां शामिल हैं।



घटना 29 सितंबर की है। संयुक्त अरब अमीरात से तेल अवीव जा रही फ्लाईडुबई की उड़ान में को-पायलट ने भारतीय कैप्टन स्मिट मच्छर पर चाकू से

हमला कर दिया था। हमले के बाद विमान तेजी से नीचे जाने लगा। घायल कैप्टन ने कॉकपिट का दरवाजा खोला, जिसके बाद यात्रियों ने अंदर पहुंचकर को-पायलट को पकड़ लिया। इसके बाद विमान को सऊदी अरब के तबुक में सुरक्षित उतारा गया। हमले में कैप्टन स्मिट मच्छर गंभीर रूप से घायल हो गए थे। घटना के बाद उनका खून से लथपथ हालत में ऑक्सिजन

मास्क पहने वीडियो भी सामने आया। विमान में कुल 174 लोग सवार थे, जिनमें ज्यादातर यात्री इजराइली थे। विमान में भारत और संयुक्त अरब अमीरात के नागरिक भी मौजूद थे। अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार, चार यात्री अमेरिकी नागरिक थे। मामले की जांच में को-पायलट के हमले के पीछे की वजह और संभावित ईरान संबंधों की जांच की जा रही है।

अमेरिका-ईरान के बीच फिर तनाव बढ़ने की संभावना

अमेरिका ने 9 हजार सैनिकों के साथ तीसरा युद्धपोत मध्य-पूर्व भेजा

वॉशिंगटन, एजेंसी: अमेरिका ने मध्य-पूर्व में अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ाते हुए यूएसएस थियोडोर रूजवेल्ट विमानवाहक पोत के नेतृत्व में करीब 9 हजार सैनिकों वाला नौसैनिक समूह रवाना किया है। इसके क्षेत्र में पहुंचने के बाद अमेरिका के तीन विमानवाहक पोत मध्य-पूर्व में मौजूद हो सकते हैं। फिलहाल यूएसएस जॉर्ज एच.डब्ल्यू. बुश और यूएसएस जॉर्ज वॉशिंगटन क्षेत्र में तैनात हैं। रूजवेल्ट के साथ अन्य युद्धपोत भी भेजे गए हैं। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, यह समूह नवंबर के अंत तक क्षेत्र में पहुंच सकता है। यह सैन्य तैनाती ऐसे समय हुई है जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के खिलाफ आगे की सैन्य कार्रवाई की संभावना बता चुके हैं। ट्रंप ने कहा है कि 3 नवंबर के मध्यावधि चुनाव के बाद ईरान पर बमबारी बढ़ाना संभव है। उन्होंने ईरान के हालिया युद्धविराम प्रस्ताव को भी पर्याप्त नहीं बताते



हुए खारिज किया था। ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने और अपने परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत की पेशकश की थी। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, यदि राष्ट्रपति सैन्य कार्रवाई का आदेश देते हैं तो अमेरिकी सेना इसके लिए तैयार है। अमेरिकी सैन्य तैनाती में यूएसएस थियोडोर रूजवेल्ट के साथ यूएसएस मेकिन आइलैंड के नेतृत्व वाला उभयचर समूह भी शामिल है। लेकिन आइलैंड के साथ 2 हजार से अधिक मरीन भेजे

गए हैं। अधिकारियों के अनुसार, नवंबर के अंत तक ईरान के आसपास तीन विमानवाहक पोत और दो उभयचर समूह तैनात हो सकते हैं। रूजवेल्ट सितंबर के अंत में सैन डिएगो से रवाना हुआ था। अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष 28 फरवरी से जारी है। अमेरिका का कहना है कि उसकी सैन्य कार्रवाई का प्रमुख उद्देश्य ईरान की परमाणु क्षमता को कमजोर करना है। ईरान का कहना है कि उसका परमाणु कार्यक्रम शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए है।

रक्षा सचिव बोले- वित्त वर्ष के अंत तक हो सकता है फैसला 114 और राफेल लड़ाकू विमान खरीदेगा भारत, स्वदेशी हथियारों से होंगे लैस

नईदुनिया ब्यूरो, नईदिल्ली: भारत की 114 राफेल लड़ाकू विमान खरीदने की योजना आगे बढ़ रही है। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने बताया कि इस परियोजना पर चालू वित्त वर्ष के अंत तक फैसला हो सकता है। फिलहाल कंपनियों से मिले प्रस्तावों की जांच की जा रही है।

भारत इस सौदे में अधिक से अधिक स्वदेशी तकनीक का इस्तेमाल करना चाहता है। योजना के अनुसार, ज्यादातर राफेल विमानों को भारत में असेंबल किया जाएगा और इनमें भारत में निर्मित हथियार तथा अन्य प्रणालियां लगाई जाएंगी। रक्षा सचिव ने बताया कि फ्रांस की कंपनी पहले खरीदे गए राफेल-एम विमानों में भी भारतीय हथियार लगाने पर

सहमत हो गई है। भारतीय वायुसेना के पास वर्तमान में 36 राफेल लड़ाकू विमान हैं, जो परिचालन में हैं। अप्रैल 2025 में भारतीय नौसेना के लिए 26 राफेल-एम विमानों की खरीद का सौदा हुआ था। इन विमानों का आपूर्ति वर्ष 2030 तक पूरी होने की उम्मीद है। इसके बाद देश की सेनाओं के पास कुल 62 राफेल विमान हो जाएंगे। 114 अतिरिक्त राफेल विमानों की प्रस्तावित खरीद के तहत स्वदेशी तकनीक और भारत में निर्मित प्रणालियों को शामिल करने पर जोर दिया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, इस परियोजना से संबंधित प्रस्तावों की समीक्षा का काम जारी है और वित्त वर्ष के अंत तक आगे की प्रक्रिया को लेकर निर्णय लिया जा सकता है।

सहमत हो गई है। भारतीय वायुसेना के पास वर्तमान में 36 राफेल लड़ाकू विमान हैं, जो परिचालन में हैं। अप्रैल 2025 में भारतीय नौसेना के लिए 26 राफेल-एम विमानों की खरीद का सौदा हुआ था। इन विमानों का आपूर्ति वर्ष 2030 तक पूरी होने की उम्मीद है। इसके बाद देश की सेनाओं के पास कुल 62 राफेल विमान हो जाएंगे। 114 अतिरिक्त राफेल विमानों की प्रस्तावित खरीद के तहत स्वदेशी तकनीक और भारत में निर्मित प्रणालियों को शामिल करने पर जोर दिया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, इस परियोजना से संबंधित प्रस्तावों की समीक्षा का काम जारी है और वित्त वर्ष के अंत तक आगे की प्रक्रिया को लेकर निर्णय लिया जा सकता है।

बंगाल से तृणमूल कांग्रेस का नाम-ओ-निशान मिट गया: शुभेंदु

नईदुनिया ब्यूरो, नंदीग्राम: पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी शुक्रवार को नंदीग्राम में भाजपा प्रत्याशी हंसिरानी रथ के लिए प्रचार करने पहुंचे। उन्होंने कहा कि राज्य से तृणमूल कांग्रेस का नाम और निशान मिटा दिया गया है। अधिकारी ने कहा कि चुनाव आयोग ने ममता बनर्जी और अरुण राय के गुटों को अलग-अलग नाम और चुनाव चिह्न दिए हैं। उन्होंने किसी का नाम लिए बिना कहा कि मुख्य चोर भी जेल जाएगा। अधिकारी ने मतदाताओं से उपचुनाव में मतदान के जरिए सभी प्रतिद्वंद्वी प्रत्याशियों की जमानत

जब्त कराने की अपील की। नंदीग्राम उपचुनाव पूर्व मेदिनीपुर जिले में होगा। इसके अलावा मुर्शिदाबाद जिले की रेजीनगर विधानसभा सीट पर भी उपचुनाव होना है। दोनों सीटों पर 6 अक्टूबर को मतदान होगा। नंदीग्राम लंबे समय से तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के बीच राजनीतिक संघर्ष का प्रमुख केंद्र रहा है। वर्ष 2007 के भूमि अधिग्रहण विरोधी आंदोलन ने ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस को वर्ष 2011 में सत्ता तक पहुंचाया। नंदीग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वर्ष 2021 में ममता बनर्जी ने नंदीग्राम से शुभेंदु

अधिकारी के खिलाफ विधानसभा चुनाव लड़ा था, जिसमें उन्हें हार का सामना करना पड़ा। वर्ष 2026 के विधानसभा चुनाव में अधिकारी ने नंदीग्राम और भवानीपुर दोनों सीटों से चुनाव लड़ा और दोनों जगह जीत दर्ज की। बाद में उन्होंने भवानीपुर सीट अपने पास रखी और नंदीग्राम से इस्तीफा दे दिया, जिसके बाद यह सीट रिक्त हुई। भाजपा की नंदीग्राम उपचुनाव प्रत्याशी हंसिरानी रथ, शुभेंदु अधिकारी के निजी सहायक चंद्रनाथ रथ की मां हैं। 16 मई की दैर रात मध्यमगाम के पास चंद्रनाथ रथ को गोली मार दी गई थी।

ट्रक ने पिकअप वैन को पीछे से मारी टक्कर, 7 की मौत

नईदुनिया ब्यूरो, अमरावती: महाराष्ट्र के अमरावती जिले में समृद्धि हाईवे पर शुक्रवार को तेज रफ्तार ट्रक ने पीछे से पिकअप वैन को टक्कर मार दी। हादसे में सात लोगों की मौत हो गई, जबकि 18 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। पिकअप में सवार श्रद्धालु देवी दुर्गा की प्रतिमा लेकर जा रहे थे। जानकारी के अनुसार, पिकअप वैन की गति कम थी और उसके पीछे ट्रॉली लगी हुई थी। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आए ट्रक ने ट्रॉली को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रॉली पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो

गई। हादसे के बाद पिकअप वैन एक तरफ पलट गई, जबकि ट्रक भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस ने ट्रक चालक को हिरासत में ले लिया है। हादसे में घायल सभी 18 लोगों को उपचार के लिए वर्धा के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, पिकअप वैन की कम गति और उसके पीछे लगी ट्रॉली के कारण ट्रक चालक का अनुमान चूक गया, जिसके बाद तेज रफ्तार ट्रक ने ट्रॉली को टक्कर मार दी।

मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर मुंबई में प्रदर्शन

▶▶ **कोंकरोव जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने शिवाजी पार्क में गांधी की तस्वीर वाली टी-शर्ट पहनकर जताया विरोध**

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबई: कोंकरोव जनता पार्टी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर शुक्रवार को मुंबई के शिवाजी पार्क में प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान मंच पर मौजूद सभी लोग महात्मा गांधी की तस्वीर वाली टी-शर्ट पहनकर पहुंचे। पार्टी ने कहा कि मुंबई पुलिस ने उनके प्रदर्शन को शांतिपूर्ण तरीके से होने दिया। इससे पहले कोंकरोव जनता पार्टी ने 19 जून से 25 जुलाई तक

दिल्ली के जंतर-मंतर पर तत्कालीन शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया था। पार्टी के अनुसार, 36 दिन चले विरोध प्रदर्शन के बाद प्रधान ने इस्तीफा दे दिया था। पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने कहा कि जब भारत के प्रधानमंत्री अमेरिका जाते हैं, तब भी वहां उन्हें गांधी के देश से आए नेता के रूप में कहा जाता है। उन्होंने कहा कि गांधी देश की आत्मा, ऑबेडिएंस रीढ़ की हड्डी और नेहरू दिमाग हैं। कोंकरोव जनता पार्टी ने कहा कि मुंबई का प्रदर्शन केवल शुरुआत है। पार्टी के अनुसार, आगे जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया जाएगा। पार्टी ने कहा कि मुंबई केवल ट्रेनर है।

अदालत

गोवा पीठ ने कहा- स्थान बदल चुके मतदाताओं के नाम छूटने की स्थिति नहीं बननी चाहिए...

एसआईआर में सॉफ्टवेयर से फॉर्म 8 खारिज करने पर सवाल

नईदुनिया ब्यूरो, पणजी: बॉम्बे हाईकोर्ट की गोवा पीठ ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान पता बदलने के लिए दिए गए फॉर्म 8 के आवेदन स्वचालित तरीके से खारिज किए जाने पर चुनाव आयोग से सवाल उठा कि जो व्यक्ति पुराने पते पर रह ही नहीं रहा है, उससे उसी पते जामसांडेकर की पीठ ने कहा कि प्रक्रिया ऐसी नहीं होनी चाहिए जिसमें कानून के बजाय सॉफ्टवेयर के अनुसार निर्णय लिया जाए। अदालत ने यह भी कहा कि मतदाता का नाम हटाने से पहले उसे सुनवाई का अवसर मिलना चाहिए। मामला गोवा के सांता क्रूज विधानसभा क्षेत्र

के एक परिवार से जुड़ा है। परिवार के सदस्य उसी विधानसभा क्षेत्र में दूसरे स्थान पर चले गए थे और पता बदलने के लिए फॉर्म 8 दाखिल किया था। एसआईआर के दौरान उनके नाम मसौदा मतदाता सूची से हटा दिए गए। अदालत के सामने यह सवाल उठा कि जो व्यक्ति पुराने पते पर रह ही नहीं रहा है, उससे उसी पते जामसांडेकर की पीठ ने कहा कि प्रक्रिया ऐसी नहीं होनी चाहिए जिसमें कानून के बजाय सॉफ्टवेयर के अनुसार निर्णय लिया जाए। अदालत ने यह भी कहा कि मतदाता का नाम हटाने से पहले उसे सुनवाई का अवसर मिलना चाहिए। मामला गोवा के सांता क्रूज विधानसभा क्षेत्र

है तो वह नाम शामिल कराने के लिए फॉर्म 6 दाखिल कर सकता है। उन्होंने कहा कि फॉर्म 8 का इस्तेमाल पहले से मौजूद मतदाता प्रविष्टि में पता बदलने के लिए किया जाता है। यदि पुराने पते का सर्वेक्षण फॉर्म जमा नहीं हुआ और पुराना नाम मसौदा सूची में नहीं आया, तो फॉर्म 8 के बजाय फॉर्म 6 की प्रक्रिया अपनानी होगी। आयोग ने यह भी कहा कि मतदाताओं की जिम्मेदारी है कि घर बदलने के बाद वे अपना पता समय पर अपडेट कराएं। अदालत ने पूछा कि फॉर्म 8 के आवेदन को तुरंत खारिज करने के बजाय लंबित क्यों नहीं रखा जा सकता। पीठ ने कहा कि अंतिम मतदाता सूची तैयार करने के

बाद ऐसे आवेदनों पर विचार किया जा सकता है, ताकि पात्र मतदाता सूची से बाहर न रह जाएं। अदालत ने मतदाता सूची को जन्म और मृत्यु के रिकॉर्ड के आधार पर नियमित रूप से अपडेट करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। चुनाव आयोग ने अपने पक्ष में संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत प्राप्त अधिकारों और एसआईआर से संबंधित पूर्व न्यायिक फैसलों का हवाला दिया। मामले में अगली सुनवाई 5 अक्टूबर को होगी।

एसआईआर में सूटे और नए मतदाताओं के नाम जुड़ेंगे

20 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चलेगा अभियान

नईदुनिया ब्यूरो, नईदिल्ली: चुनाव आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पूरा कर चुके 20 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में सूटे हुए मतदाताओं तथा 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके नए पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया है। आयोग ने यह निर्देश 29 सितंबर को लिखित रूप से जारी किया था और गुरुवार को सभी राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के साथ हुई वीडियो कॉन्फ्रेंस में इसे दोहराया। एसआईआर के पहले और दूसरे चरण में 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। वहीं, तीसरे चरण में 16 राज्य और तीन केंद्र शासित प्रदेश शामिल हैं। इनमें सात राज्यों में सूची जारी हो चुकी है। आयोग ने तीसरे चरण के इन सात राज्यों के नाम सार्वजनिक नहीं किए हैं। महाराष्ट्र में एसआईआर के दौरान 2.06 करोड़ से अधिक मतदाताओं के नाम मसौदा मतदाता सूची में शामिल नहीं हुए हैं। इनमें अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत, दोहरे पंजीकरण वाले या अन्य कारणों से प्रपत्र उपलब्ध नहीं होने वाले मतदाता शामिल हैं।

